

सत्यमेव जयते

विद्युत मंत्रालय
MINISTRY OF
POWER

साप्ताहिक सूचना पत्र

दिनांक 7.11.2026 से 13.11.2026

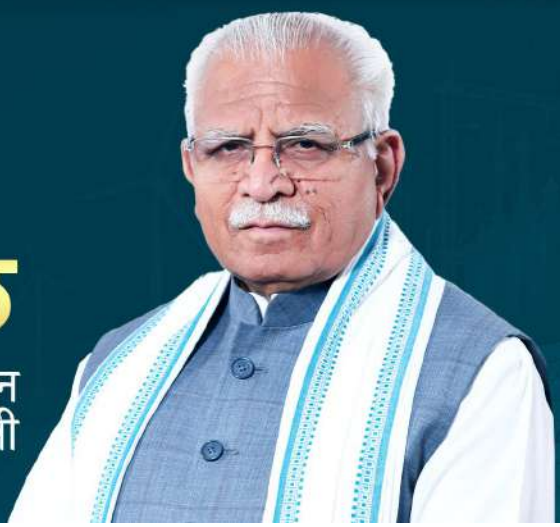
16वाँ संस्करण

सभी संस्करण यहाँ पढ़े।



श्री मनोहर लाल

माननीय केंद्रीय विद्युत तथा आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री



विद्युत मंत्रालय
MINISTRY OF
POWER

सत्यमेव जयते

सप्ताह की प्रमुख उपलब्धियाँ

1. 228.17 गीगावाट की अधिकतम मांग बिना किसी कमी के पूरी की गई

2. विद्युत मंत्रालय ने विशेष अभियान 6 का सफलतापूर्वक समापन किया, 2.5 लाख वर्ग फुट से अधिक कार्यालय स्थान खाली कराया

3. भारतीय विद्युत क्षेत्र में अपनी तरह का पहला प्रदर्शन: NTPC ने गैस टर्बाइन में मेथनॉल से सफलतापूर्वक बिजली उत्पादन का प्रदर्शन किया

4. NPTI फरीदाबाद ने NHPC के इंजीनियरों और CEA के अधिकारियों के लिए इंडक्शन प्रशिक्षण कार्यक्रमों का समापन किया

5. हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल ने SJVN के 1500 मेगावाट नाथपा झाकड़ी जलविद्युत स्टेशन का दौरा किया

6. BEE ने पानीपत में ADEETIE योजना के नेटवर्किंग और वित्तीय जागरूकता पर कार्यक्रम आयोजित किया

7. PFC ने सक्रिय सतर्कता के माध्यम से धोखाधड़ी की रोकथाम को सुदृढ़ किया

साप्ताहिक सूचना पत्र

7.11.2026 से 13.11.2026

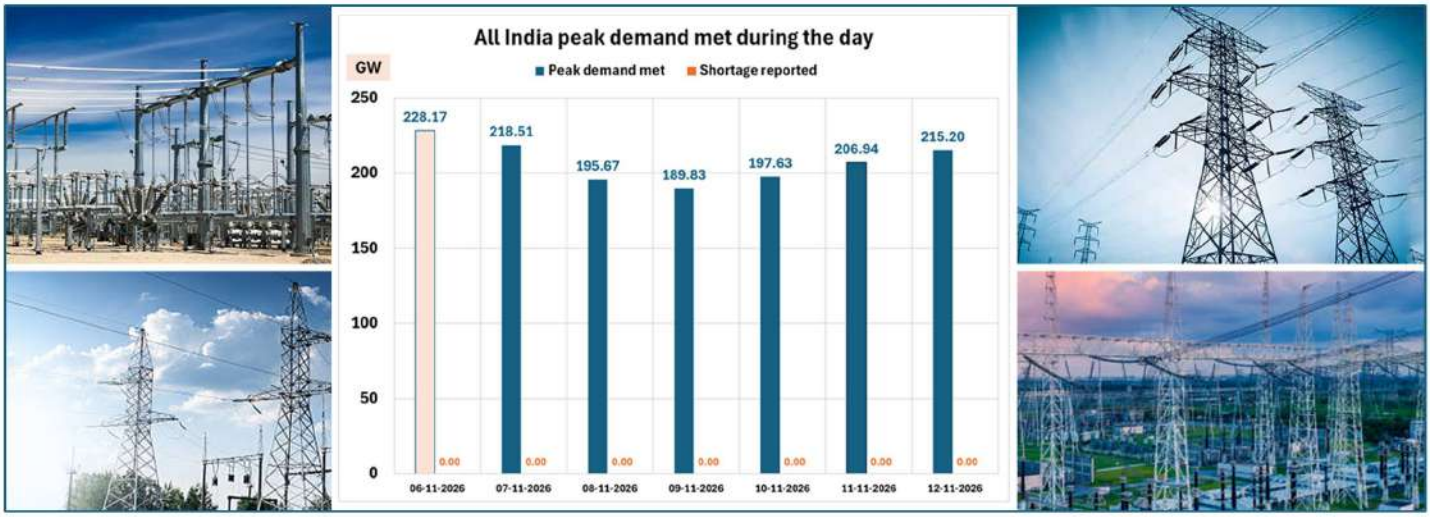
विद्युत मंत्रालय
MINISTRY OF
POWER

सत्यमेव जयते

12 नवंबर 2026

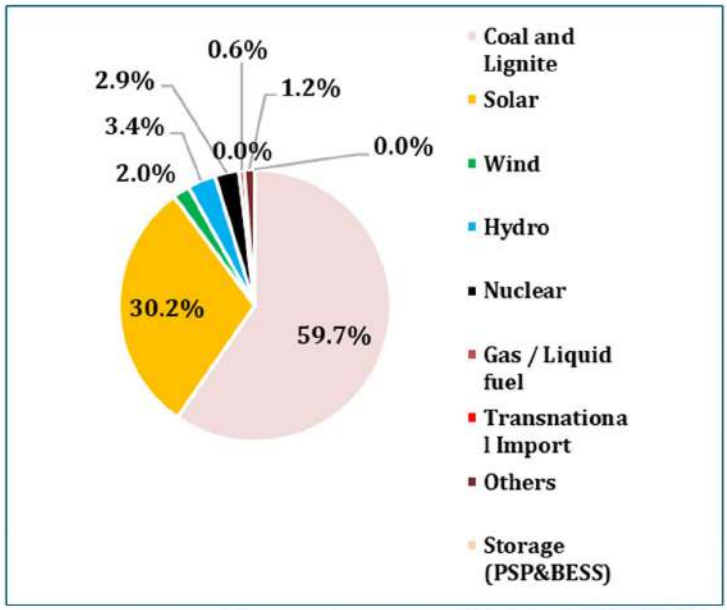
228.17 गीगावाट की अधिकतम मांग बिना किसी कमी के पूरी की गई

नीचे दिया गया चार्ट 6 नवंबर से 12 नवंबर 2026 तक दर्ज की गई दैनिक अधिकतम बिजली मांग की पूर्ति और बिजली की कमी को दर्शाता है।



साप्ताहिक अधिकतम मांग के समय कुल विद्युत उत्पादन

Generation source	Generation (GW)	Share of Total generation (%)
Gas / Liquid fuel	1.5	0.6%
Hydro	7.8	3.4%
Nuclear	6.7	2.9%
Coal and Lignite	138.8	59.7%
Wind	4.7	2.0%
Solar	70.3	30.2%
Storage (PSP&BESS)	0.0	0.0%
Others	2.9	1.2%
Transnational Import	0.0	0.0%
TOTAL	**232.6**	**100.0%**
Transnational Export	0.3	0.1%



पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में अखिल भारतीय अधिकतम बिजली मांग की पूर्ति और ऊर्जा खपत में क्रमशः 15.6% और 7.8% की वृद्धि दर्ज की गई।

साप्ताहिक सूचना पत्र

7.11.2026 से 13.11.2026

विद्युत मंत्रालय
MINISTRY OF
POWER

सत्यमेव जयते

9 नवंबर 2026

विद्युत मंत्रालय ने विशेष अभियान 6 का सफलतापूर्वक समापन किया, 2.5 लाख वर्ग फुट से अधिक कार्यालय स्थान खाली कराया





विद्युत मंत्रालय ने लंबित मामलों के निस्तारण के लिए विशेष अभियान 6 का सफलतापूर्वक समापन किया। यह अभियान 2 अक्टूबर से 31 अक्टूबर, 2026 तक चलाया गया। इस विशेष अभियान का उद्देश्य स्वच्छता को बढ़ावा देना, कार्यप्रणाली को सुव्यवस्थित करना तथा मंत्रालय के सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (PSUs) और इसके अधीन संगठनों में लंबित शिकायतों का समाधान करना था।

विशेष अभियान 6 के कार्यान्वयन चरण के दौरान, जो 2 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2026 तक चला, विद्युत मंत्रालय और इसके केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों (CPSEs)/संगठनों ने कई गतिविधियाँ संचालित कीं। इनमें पुरानी भौतिक और इलेक्ट्रॉनिक फाइलों की व्यापक समीक्षा, अनुपयोगी वस्तुओं, कबाड़ और ई-कचरे की पहचान तथा उनके उचित निपटान के लिए उपाय शुरू करना शामिल था। इन गतिविधियों का उद्देश्य कार्यालयों में स्थान खाली कराना, अभिलेख प्रबंधन में सुधार करना और अधिक स्वच्छ, सुव्यवस्थित एवं कुशल कार्यस्थलों को बढ़ावा देना था।

अभियान के दौरान मंत्रालय ने विभिन्न स्थानों पर 342 स्वच्छता अभियान सफलतापूर्वक पूरे किए, जिसके परिणामस्वरूप 2,51,757 वर्ग फुट स्थान खाली कराया गया। इसके अतिरिक्त, कबाड़ सामग्री और ई-कचरे के निपटान से ₹15,74,20,231 का राजस्व प्राप्त हुआ। अभिलेख प्रबंधन के अंतर्गत मंत्रालय ने 26,885 भौतिक फाइलों की समीक्षा की, अभिलेख प्रबंधन के प्रावधानों के अनुसार 13,282 फाइलों को हटाया तथा 34,572 ई-फाइलों की समीक्षा की, जिनमें से 34,525 फाइलों को बंद किया गया।



Before



After

विद्युत मंत्रालय
MINISTRY OF
POWER
सत्यमेव जयते

7 नवंबर 2026

भारतीय विद्युत क्षेत्र में अपनी तरह का पहला प्रदर्शन: NTPC ने गैस टर्बाइन में मेथनॉल से सफलतापूर्वक बिजली उत्पादन का प्रदर्शन किया

NTPC ने कायमकुलम संयुक्त चक्र विद्युत संयंत्र में अपनी एक गैस टर्बाइन में मेथनॉल ईंधन के उपयोग का सफलतापूर्वक प्रदर्शन किया। भारतीय विद्युत क्षेत्र में अपनी तरह का यह पहला प्रदर्शन एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है और भारत के गैस टर्बाइन बेड़े में वैकल्पिक ईंधन के उपयोग की दिशा में आधार तैयार करता है। यह पहल NTPC के इंजीनियरिंग प्रभाग के ऊर्जा संक्रमण एवं नीति अनुसंधान (ET&PR) समूह द्वारा NTPC कायमकुलम और परिचालन सेवाओं (OS) के समन्वय से की गई।

मेथनॉल, कम उपयोग में लाई जा रही गैस-आधारित परिसंपत्तियों के उत्पादक उपयोग के लिए एक आशाजनक विकल्प प्रस्तुत करता है। इसमें आयात पर निर्भरता कम करने, नवीकरणीय ऊर्जा के एकीकरण को समर्थन देने और चक्रीय कार्बन अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने की क्षमता है। इस प्रदर्शन के आधार पर आगे के अध्ययन भारत के गैस-आधारित विद्युत संयंत्रों में निरंतर संचालन, पूर्ण क्षमता पर संचालन और बड़े पैमाने पर कार्यान्वयन के लिए आवश्यक व्यवहार्यता तथा संशोधनों का आकलन करेंगे।



विद्युत मंत्रालय
MINISTRY OF
POWER
सत्यमेव जयते

13 नवंबर 2026

NPTI फरीदाबाद ने NHPC के इंजीनियरों और CEA के अधिकारियों के लिए इंडक्शन प्रशिक्षण कार्यक्रमों का समापन किया





राष्ट्रीय विद्युत प्रशिक्षण संस्थान (NPTI), फरीदाबाद ने NHPC और केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (CEA) के इंजीनियरों एवं अधिकारियों के लिए दो इंडक्शन प्रशिक्षण कार्यक्रमों का सफलतापूर्वक समापन किया।

NHPC के जूनियर इंजीनियरों (इलेक्ट्रिकल) के लिए तीन सप्ताह का इंडक्शन-सह-अभिमुखीकरण प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसका तीसरा बैच 26 अक्टूबर से 13 नवंबर 2026 तक चला और इसके सफलतापूर्वक पूरा होने पर 42 जूनियर इंजीनियरों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। इस कार्यक्रम को संरचित शिक्षण और व्यावहारिक अनुभव के माध्यम से उनके तकनीकी ज्ञान, परिचालन क्षमताओं और व्यावसायिक दक्षताओं को बढ़ाने के लिए तैयार किया गया था।

NPTI फरीदाबाद ने CEA के सहायक निदेशकों और उप निदेशकों के लिए चार सप्ताह के विस्तारित इंडक्शन प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन समारोह भी आयोजित किया। कार्यक्रम में विद्युत क्षेत्र के महत्वपूर्ण और उभरते विषयों पर कई विशेष सत्र शामिल थे। इससे CEA अधिकारियों को अपना तकनीकी ज्ञान बढ़ाने, विद्युत क्षेत्र के बदलते घटनाक्रमों को समझने और भारत के बदलते ऊर्जा परिदृश्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए अपनी व्यावसायिक क्षमताओं को सुदृढ़ करने का अवसर मिला।

विद्युत मंत्रालय
MINISTRY OF
POWER

सत्यमेव जयते

हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल ने SJVN के 1500 मेगावाट नाथपा झाकड़ी जलविद्युत स्टेशन का दौरा किया

हिमाचल प्रदेश के माननीय राज्यपाल श्री कविंदर गुप्ता और उनकी पत्नी श्रीमती बिंदु गुप्ता ने SJVN के 1500 मेगावाट नाथपा झाकड़ी जलविद्युत स्टेशन का दौरा किया।



दौरे के दौरान, NJHPS के परियोजना प्रमुख श्री राजीव कपूर ने माननीय राज्यपाल को विद्युत स्टेशन की प्रमुख विशेषताओं, तकनीकी क्षमताओं, परिचालन प्रदर्शन और देश की ऊर्जा आवश्यकताओं में इसके योगदान के बारे में जानकारी दी। माननीय राज्यपाल ने SJVN की इंजीनियरिंग क्षमता, तकनीकी नवाचार और भारत की ऊर्जा सुरक्षा को आगे बढ़ाने की दिशा में किए जा रहे निरंतर प्रयासों की सराहना की।



विद्युत मंत्रालय
MINISTRY OF
POWER
सत्यमेव जयते

6 नवंबर 2026

BEE ने पानीपत में ADEETIE योजना के नेटवर्किंग और वित्तीय जागरूकता पर कार्यक्रम आयोजित किया

ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (BEE), विद्युत मंत्रालय ने ICAI पानीपत शाखा के सहयोग से 6 नवंबर 2026 को ICAI भवन, पानीपत, हरियाणा में ADEETIE योजना पर नेटवर्किंग एवं वित्तीय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य चार्टर्ड अकाउंटेंट्स, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (MSMEs), बैंकों और अन्य हितधारकों के बीच ADEETIE योजना के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देना था। EESL, BEE, CAs, DSAs और वित्तीय संस्थानों की भागीदारी के साथ आयोजित संवादात्मक ओपन-हाउस चर्चा में योजना के अवसरों और लाभों पर विचार किया गया तथा MSME क्षेत्र में योजना को व्यापक रूप से अपनाने के लिए प्रश्नों का समाधान किया गया।



विद्युत मंत्रालय
MINISTRY OF
POWER

सत्यमेव जयते

PFC ने सक्रिय सतर्कता के माध्यम से धोखाधड़ी की रोकथाम को सुदृढ़ किया

तीन महीने के निवारक सतर्कता अभियान के तहत, PFC ने ABBFF रिपोर्ट से प्राप्त जानकारियों के आधार पर "धोखाधड़ी की कार्यप्रणाली और मूल कारणों का विश्लेषण" विषय पर एक कार्यशाला आयोजित की।

इस सत्र का नेतृत्व ABBFF के पूर्व सचिव श्री राजेश वर्मा ने किया। उन्होंने धोखाधड़ी के तौर-तरीकों, उनके मूल कारणों और रोकथाम के उपायों पर जानकारी साझा की। PFC के मुख्य सतर्कता अधिकारी (CVO) श्री राजेश कुमार सिंह ने भी धोखाधड़ी के विरुद्ध प्रणालियों और संस्थागत सुरक्षा उपायों को सुदृढ़ करने के महत्व पर प्रकाश डाला।

इस कार्यशाला में विभिन्न प्रमुख कार्यात्मक क्षेत्रों के वरिष्ठ नेतृत्व और कर्मचारियों ने भाग लिया। इससे मजबूत आंतरिक नियंत्रण, पारदर्शिता, जवाबदेही और सत्यनिष्ठा के प्रति PFC की प्रतिबद्धता और सुदृढ़ हुई।



साप्ताहिक सूचना पत्र

7.11.2026 से 13.11.2026

विद्युत मंत्रालय
MINISTRY OF
POWER

सत्यमेव जयते

इस सप्ताह के प्रमुख समाचार

दैनिक जागरण
(7 नवंबर, 2026)

बढ़ी बिजली खपत के बीच केंद्र ने निर्बाध आपूर्ति का किया दावा

राज्य ब्यूरो, जागरण • चंडीगढ़ : देश में बिजली की अधिकतम मांग 234 गीगावाट तक पहुंचने के बावजूद केंद्र सरकार ने बिना किसी कमी के बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने का दावा किया है।


केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल। • इंटरनेट

केंद्रीय विद्युत मंत्रालय की रिपोर्ट में बिजली क्षेत्र की कई अहम उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं का उल्लेख किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, देश में बिजली की मांग बढ़ने के साथ ही सौर ऊर्जा, नवीकरणीय ऊर्जा, बैटरी भंडारण और

केंद्रीय विद्युत मंत्री मनोहर लाल ने किया बिना कटौती बिजली की मांग को पूरा करने का दावा

बिजली वितरण व्यवस्था को आधुनिक बनाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

234 गीगावाट का मतलब 2 लाख 34 हजार मेगावाट होता है। एक गीगावाट से लगभग 7.5 लाख से 10 लाख औसत घरों को बिजली दी जा सकती है। इस हिसाब से, 234 गीगावाट बिजली से लगभग 17 से 23 करोड़ घरों को एक साथ रोशन किया जा सकता है। केंद्रीय विद्युत मंत्री मनोहर लाल के अनुसार 23 से 29 अक्टूबर के दौरान अधिकतम बिजली की मांग 234 गीगावाट दर्ज की गई थी। इस अवधि में बिजली की मांग पूरी करने में कोई कमी दर्ज नहीं हुई। पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में अधिकतम मांग में 18 प्रतिशत और बिजली खपत में 19.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इस दौरान कुल बिजली उत्पादन में कोयला और लिग्नाइट की हिस्सेदारी 58.4 प्रतिशत तथा सौर ऊर्जा की हिस्सेदारी 30.9 प्रतिशत रही।

केंद्र सरकार का जोर अब केवल बिजली उत्पादन बढ़ाने तक सीमित नहीं है, बल्कि बिजली को संग्रहित करने और जरूरत के समय उपलब्ध कराने की क्षमता विकसित करने पर भी फोकस किया जा रहा है।

सुरक्षित डिजिटल सूचना आदान-प्रदान

बिजली क्षेत्र की वित्तीय संस्था रूरल इलेक्ट्रिफिकेशन कारपोरेशन (आरईसी) लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही में मजबूत प्रदर्शन किया है। कंपनी की प्रबंधन के अधीन परिसंपत्तियों में 26 हजार 537 करोड़ रुपये की वृद्धि हुई है। इसके नेटवर्क में सालाना आधार पर 14 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल के अनुसार, व्यवस्था में पारदर्शिता को बढ़ावा देने के लिए इंडिया एनर्जी स्टैक टास्क फोर्स ने अंतिम रिपोर्ट की समीक्षा कर देशव्यापी क्रियान्वयन की रूपरेखा प्रस्तुत की है।

विद्युत मंत्रालय
MINISTRY OF
POWER

सत्यमेव जयते

इस सप्ताह के प्रमुख समाचार

दैनिक जागरण
(13 नवंबर, 2026)

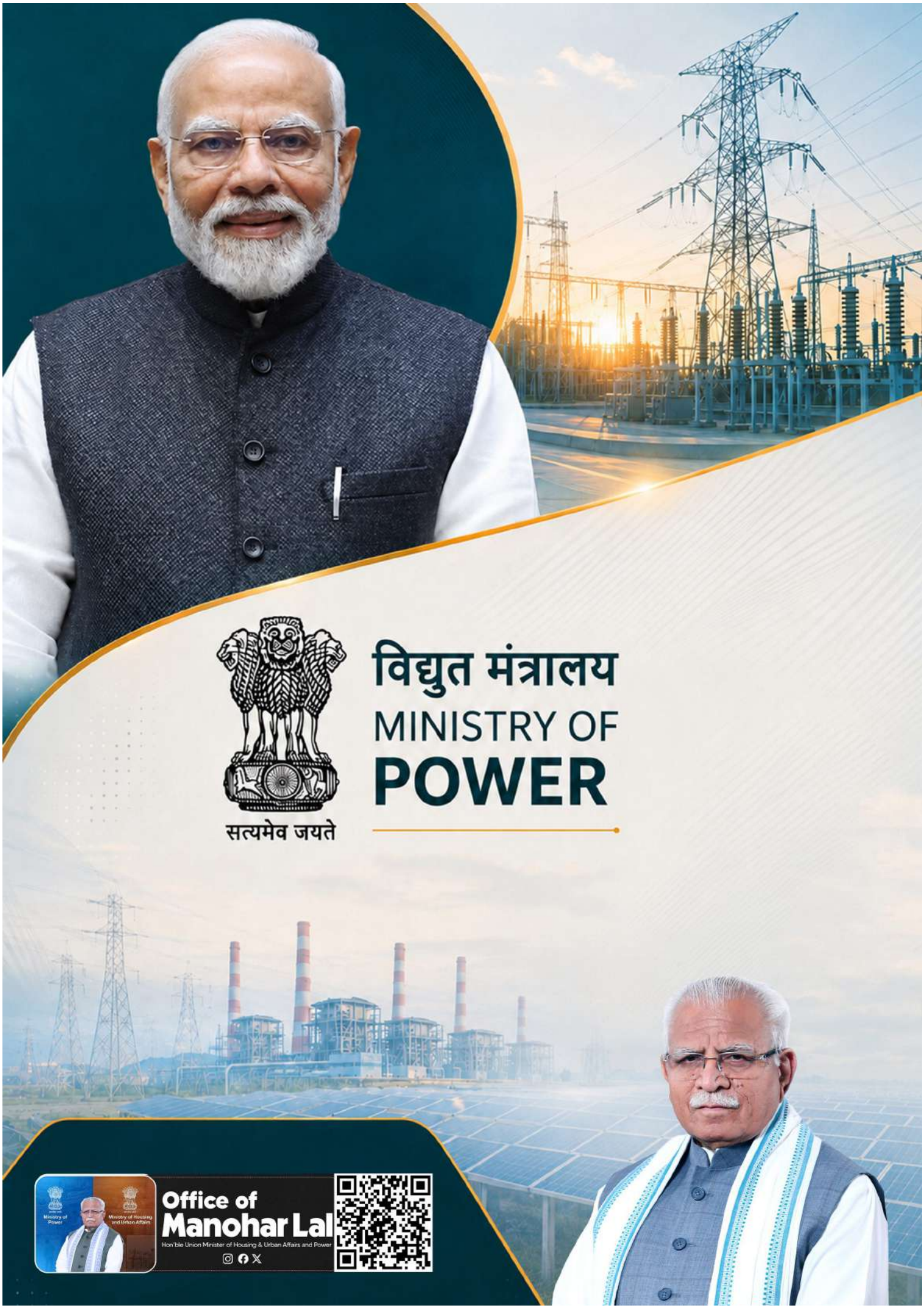
बिजली की बढ़ती मांग से निपटने के लिए 14,500 करोड़ खर्च करेगी केंद्र सरकार

- पांच साल में 92 गीगावाट-घंटे बिजली स्टोर की क्षमता बनेगी
- बैटरी व जल भंडारण योजनाओं पर रहेगा केंद्र सरकार का जोर

राज्य ब्यूरो, जागरण, चंडीगढ़ : देश में बिजली की बढ़ती मांग के बीच केंद्र सरकार ने भविष्य में बिजली की कमी रोकने और आपूर्ति व्यवस्था मजबूत करने के लिए ऊर्जा भंडारण पर बड़ा निवेश करने का फैसला किया है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 2026-27 से 2030-31 तक पांच साल में 92 गीगावाट-घंटे बिजली भंडारण क्षमता विकसित करने की योजना को मंजूरी दे दी। इसके लिए 14,500 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता दी जाएगी।

इस योजना का सीधा फायदा यह होगा कि जब सौर और पवन ऊर्जा से जरूरत से ज्यादा बिजली बनेगी, तब उसे स्टोर किया जा सकेगा। जरूरत बढ़ने या उत्पादन घटने पर इसी बिजली का इस्तेमाल किया जा सकेगा। इससे बिजली कटौती की आशंका कम होगी और लोगों को लगातार बिजली उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। केंद्रीय विद्युत मंत्रालय की योजना के तहत 30 गीगावाट-घंटे क्षमता बैटरी के जरिए, 60 गीगावाट-घंटे पंप्ड स्टोरेज परियोजनाओं से और 2 गीगावाट-घंटे नई तकनीकों से विकसित किए जाएंगे। पंप्ड स्टोरेज में अतिरिक्त बिजली से पानी को ऊंचाई पर बने जलाशय में पहुंचाया जाता है। जरूरत पड़ने पर पानी नीचे छोड़कर टरबाइन से बिजली बनाई जाती है।

केंद्रीय बिजली मंत्री मनोहर लाल ने बीरवार को बताया कि देश की गैर-जीवाश्म ऊर्जा क्षमता 2014 के 2.82 गीगावाट से बढ़कर 168 गीगावाट से अधिक हो गई है। अब देश की कुल स्थापित बिजली उत्पादन क्षमता में लगभग 55 प्रतिशत हिस्सा गैर-जीवाश्म स्रोतों का है। इनमें सौर, पवन और अन्य स्वच्छ ऊर्जा स्रोत शामिल हैं।


सत्यमेव जयते
विद्युत मंत्रालय
MINISTRY OF
POWER
Office of
Manohar Lal
Hon'ble Union Minister of Housing & Urban Affairs and Power